Sample Paper

Hindi 'B'

खण्ड – (क)

(अपठित गद्यांश)

1. नीचे दो गद्यांश दिए गए हैं। किसी एक गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर लिखिए— यदि आप इस गद्यांश का चयन करते हैं तो कृपया उत्तर पुस्तिका में लिखिए कि आप प्रश्न संख्या 1 में दिए गए गद्यांश-1 पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिख रहे हैं।

कहा जाता है कि साहित्य समाज का दर्पण होता है। साहित्यकार जो भी अपने समाज में देखता है उसे अपने साहित्य में उतारता है। समाज में घटने वाली घटनाओं से वह स्वयं तो प्रभावित होता है एवं जनता पर इसका कैसा प्रभाव पड़ता है उसकी जाँच–पड़ताल कर वह साहित्य–सृजन करता है। अतः कहा जा सकता है कि साहित्य के बिना समाज निष्प्राण एवं जड़ है तो समाज के बिना साहित्य की रचना संभव नहीं। 'साहित्य' शब्द में ही समाज छिपा हुआ है। यदि 'स+हित' शब्द से साहित्य की व्युत्पत्ति करें तो प्रश्न उठेगा ही कि हित किसका? व्यक्ति का हित अथवा रचनाकार का हित का महत्व भी समाज की सापेक्षता में ही है। इसलिए पूरी व्युत्पत्ति का विश्लेषण करने पर साहित्य समाज का पूरक ही माना जाता है।

किसी भी राष्ट्र या समाज के सांस्कृतिक स्तर का अनुमान उनके साहित्य द्वारा लगाया जा सकता है। साहित्य न केवल समाज का दर्पण है बल्कि एक दीपक के समान है, जो समाज की बुराइयों की ओर ध्यान दिलाता है। विद्वानों ने भी किसी देश को बिना साहित्य के मृतक माना है—

Þv/kdkj gS ogk¡ tgk¡ vkfnR; ugha gS

eqnkZ gS og ns'k tgk¡ lkfgR; ugha gSAß

माना जाता है कि किसी भी देश की सभ्यता और संस्कृति जानने के लिए वहाँ का साहित्य पढ़ना ही पर्याप्त होता है। जो कार्य बड़े से बड़ा योद्धा नहीं कर सकता वह कार्य साहित्यकार केवल अपनी कलम द्वारा ही कर सकता है वह जनता को जागरूक कर सकता है, सही दिशा में ला सकता है। इसका स्पष्ट उदाहरण हमारा स्वाधीनता संग्राम है जहाँ तलवारों के साथ–साथ कलम के सिपाहियों को भी भुलाया नहीं जा सकता। अतः महावीर प्रसाद द्विवेदी जी का कथन पूर्व से युक्तिसंगत है कि साहित्य समाज का दर्पण है क्योंकि यह केवल मनोरंजन ही नहीं करता अपितु समाज का मार्गदर्शन कर उसके भीतरी व बाहरी रूप को सबके सामने लाता है।

(1) साहित्य समाज का क्या है?
- (क) प्रभाव।
- (ख) प्रमाण।
- (ग) दर्पण।
- (घ) कुछ भी नहीं।

(2) साहित्यकार क्या करता है?
- (क) समाज को देखता है।
- (ख) महसूस करता है।
- (ग) साहित्य में डालता है।
- (घ) उक्त सभी।

(3) किसी समाज की संस्कृति जानने के लिए क्या करना होगा?
- (क) घूमना होगा।
- (ख) लोगों को देखना होगा।
- (ग) समय पर जाना होगा।
- (घ) केवल साहित्य पढ़ना होगा।

(4) साहित्य शब्द का अर्थ होगा—
- (क) स + हित।
- (ख) सहित।
- (ग) सबका हित।
- (घ) शहीत।

(5) गद्यांश का उचित शीर्षक बताइए—
- (क) साहित्य और समाज।
- (ख) साहित्य।
- (ग) समाज।
- (घ) अन्य कोई।

vFkok

यदि आप इस गद्यांश का चयन करते हैं तो कृपया उत्तर पुस्तिका में लिखिए कि आप प्रश्न संख्या 1 में दिए गए गद्यांश-2 पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिख रहे हैं।

नीचे दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर लिखिए।

प्रकृति और मनुष्य का साथ अनादि काल से रहा है। मनुष्य प्रकृति की गोद में पल–बढ़कर जीवनयापन करने लायक बना है। हरे–भरे छायादार पेड़ उसके सबसे अच्छे मित्र थे, जिन्होंने व्यक्ति को भूख मिटाने को फल, तन ढ़ँकने को पत्तियाँ और छाल तथा आश्रय दिया।

प्रकृति के विभिन्न अंगों–पेड़, बादल, नदी, पहाड़, झरने आदि ने मनुष्य को अपनी ओर आकर्षित किया और विविध रूपों से कल्याण भी किया है। दुर्भाग्य से कृतघ्न मनुष्य ने प्रकृति को सोने का अंडा देने वाली मुर्गी समझ लिया और एक ही बार में सब कुछ पा लेने के लिए उस पर अत्याचार तथा पेड़ों की अंधाधुन कटाई करना शुरु कर दिया। अत्यधिक वर्षा, भू–क्षरण, प्रदूषण जैसी समस्याएँ उठ खड़ी हुई हैं। इनसे मुक्ति पाने के लिए हमें वरदायिनी प्रकृति की शरण में जाना होगा।

(1) मनुष्य प्रकृति का साथ कब से रहा है?
(क) भूतकाल। (ख) भविष्यकाल।
(ग) वर्तमान काल। (घ) अनादिकाल।

(2) प्रकृति ने मनुष्य को क्या–क्या दिया है?
(क) भूख मिटाने को फल। (ख) तन ढंकने को पत्तियाँ।
(ग) छाल तथा आश्रय। (घ) उक्त सभी।

(3) मनुष्य ने एक ही बार में सब कुछ पा लने के लिए प्रकृति के साथ क्या किया?
(क) पेड़ों की अंधाधुन कटाई। (ख) अंडा देने वाली मुर्गी समझ लिया।
(ग) पेड़ लगाए। (घ) पेड़ लगाने का नारा दिया।

(4) प्रकृति के विभिन्न अंग कौन–कौन से हैं?
(क) घर–मकान। (ख) मैदान–विद्यालय।
(ग) पेड़–बादल, नदी, पहाड़। (घ) सभा–संसद।

(5) उपरोक्त गद्यांश का क्या शीर्षक हो सकता है?
(क) विज्ञान एक चमत्कार। (ख) प्रकृति और हम।
(ग) पेड़ और बादल। (घ) वरदायिनी प्रकृति।

2. नीचे दो गद्यांश दिए गए हैं। किसी एक गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिए–

यदि आप इस गद्यांश का चयन करते हैं तो कृपया उत्तर पुस्तिका में लिखिए कि आप प्रश्न संख्या 2 में दिए गए गद्यांश-1 पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिख रहे हैं।

प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में कई उतार–चढ़ाव का समय भी आता है। अनेक बार कुछ ऐसा समय भी आता है, जब असफलताओं का अंधकार उसे घेर लेता है। तब इस समय व्यक्ति में निराशा आ जाती है। निराश व्यक्ति का चेहरा मुरझा जाता है। उसमें हीनता की भावना आ जाती है। वह अपनी निराशा के कारण स्वयं को दोषी ठहराता है। वह अपने जीवन को बोझ समझने लगता है। कई बार निराशा गहरी हताशा में बदल जाती है। व्यक्ति अवसाद नामक रोग का शिकार बन जाता है। वही स्वयं को सदैव थका हुआ–सा अनुभव करने लगता है। उसे भूख नहीं लगती है। वह जीवन के प्रति अनासक्त हो जाता है। उसकी आँखों में सूनेपन का कोहरा–सा छा जाता है। गहरी निराशा की स्थिति में अनेक व्यक्ति मानसिक संतुलन खो देते हैं। अत्यधिक निराशा जीवन का अंत ले आती है। अतः हमें निराशा को त्यागकर आशा का साथ देना चाहिए।

(1) निराश व्यक्ति का चेहरा कैसा हो जाता है?
(क) मुस्कुराया हुआ। (ख) खिला हुआ।
(ग) परेशान। (घ) मुरझाया हुआ।

(2) निराश व्यक्ति जीवन के प्रति कैसा हो जाता है?
(क) उत्सुक। (ख) आसक्त।
(ग) सरस। (घ) अनासक्त।

(3) निराशा का क्या कारण है?
(क) जीवन के उतार–चढ़ाव। (ख) असफलता का अंधकार।
(ग) मानसिक असंतुलन। (घ) उक्त सभी।

(4) निराश व्यक्ति को कौन–सा रोग हो जाता है?
(क) आवशाद। (ख) अवसाद।
(ग) अवशेष। (घ) अवयव।

(5) उपरोक्त गद्यांश का क्या शीर्षक हो सकता है?
(क) निराशा का त्याग। (ख) जीवन के उतार–चढ़ाव।
(ग) असफलता का अंधकार। (घ) अनासक्त जीवन।

vFkok

यदि आप इस गद्यांश का चयन करते हैं तो कृपया उत्तर पुस्तिका में लिखिए कि आप प्रश्न संख्या 2 में दिए गए गद्यांश-2 पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिख रहे हैं।

नीचे दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर लिखिए–

'लड़का–लड़की जब होगा एक समान, तब भारत बनेगा महान्।' वास्तव में लड़कों और लड़कियों के प्रति हमारे देश में समान रूप से व्यवहार नहीं किया जाता है। नगरीय क्षेत्रों में कुछ हद तक समानता है, परंतु ग्रामीण क्षेत्रों में लड़का–लड़की में आकाश–पाताल का अंतर समझा जाता है। निरक्षरता, लिंग, गलत व्याख्या, महिलाओं के प्रति पुरुषों की भावना, चेतना की कमी आदि लैंगिक समानता को सुनिश्चित करने में हमारी असफलता के लिए जिम्मेदार है। हमारे देश में महिलाओं को नये प्रतिबंधों का सामना करना पड़ता है। कुछ परिवार लिंग भेद–भाव के कारण शिक्षा से वंचित है। समाज और राष्ट्र के विकास के लिए हमें लड़कियों के प्रति अपनी सोच बदलनी चाहिए। एक शिक्षित महिला पूरे समाज को बदलने की शक्ति रखती है। महिलाओं को ठीक से शिक्षित और नियोजित किया जाना चाहिए। उन्हें समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उचित सम्मान और क्षमता दी जानी चाहिए। महिलाओं और पुरुषों की समान भागीदारी ही समाज को बदल सकती है।

(1) भारत में लड़कों और लड़कियों के प्रति कैसा व्यवहार होता है?

(क) समानता। (ख) असमानता।

(ग) अंतर। (घ) बराबरी।

(2) लैंगिक असमानता को सुनिश्चित करने में क्या–क्या जिम्मेदार है?

(क) निरक्षरता। (ख) लिंग, गलत व्याख्या।

(ग) महिलाओं के प्रति पुरुषों की भावना। (घ) उक्त सभी।

(3) समाज और राष्ट्र के विकास के लिए हमें क्या करना होगा?

(क) आगे बढ़ना चाहिए। (ख) लड़कियों के प्रति अपनी सोच बदलनी चाहिए।

(ग) काम करना चाहिए। (घ) लड़कों के प्रति अपनी सोच बदलनी चाहिए।

(4) समाज कब बदल सकता है?

(क) महिलाओं और पुरुषों की समान भागीदारी से। (ख) निरक्षरता से।

(ग) एक शिक्षित महिला से। (घ) चेतना की कमी से।

(5) उपरोक्त अनुच्छेद का शीर्षक क्या होगा?

(क) महिलाओं के प्रति पुरुषों की भावना। (ख) एक शिक्षित महिला।

(ग) लड़का–लड़की एक समान। (घ) लैंगिक असमानता।

खण्ड – (ख)

(व्यावहारिक व्याकरण)

3. निम्नलिखित पाँच भागों में से किन्हीं चार प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनिए–

(1) कक्षा में हिंदी पढ़ाने वाले शिक्षक बहुत योग्य होते हैं। (रेखांकित पदबंध का प्रकार बताइए)

(क) सर्वनाम पदबंध। (ख) विशेषण पदबंध।

(ग) संज्ञा पदबंध। (घ) क्रिया पदबंध।

(2) पानी में डूबते हुए बच्चे को उसने बचा लिया। (वाक्य में सर्वनाम पदबंध है)

(क) पानी में डूबते हुए। (ख) उसने बचा लिया।

(ग) बच्चे को उसने। (घ) पानी में डूबते हुए बच्चे को उसने।

(3) बच्चे पढ़ते–पढ़ते सो गए। (रेखांकित पदबंध का प्रकार बताइए)

(क) सर्वनाम पदबंध। (ख) विशेषण पदबंध।

(ग) क्रिया पदबंध। (घ) संज्ञा पदबंध।

(4) मेरे मित्र सबसे ऊपर वाले कमरे में रहते हैं। (रेखांकित पदबंध का प्रकार बताइए)

(क) सर्वनाम पदबंध। (ख) विशेषण पदबंध।

(ग) क्रिया–विशेषण पदबंध। (घ) संज्ञा पदबंध।

(5) वह अध्ययनशील और परिश्रमी छात्र है। (रेखांकित पदबंध का प्रकार बताइए)

(क) सर्वनाम पदबंध। (ख) विशेषण पदबंध।

(ग) संज्ञा पदबंध। (घ) क्रिया पदबंध।

4. निर्देशानुसार पाँच भागों में से किन्हीं चार प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनिए–

(1) निम्नलिखित वाक्यों में से मिश्र वाक्य छाँटकर लिखिए–

(क) अध्यापक ने प्रश्न पूछा कि तुम कहाँ रहते हो? (ख) अध्यापक ने प्रश्न पूछा है। तुम कहाँ रहते हो?

(ग) तुम कहाँ रहते हो, ऐसा अध्यापक ने पूछा। (घ) अध्यापक ने प्रश्न पूछा तुम कहाँ रहते हो?

(2) मैंने बहुत कोशिश की, किन्तु असफल रहा। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

(क) मैं कोशिश के बाद भी असफल रहा। (ख) मैंने सफल होने की कोशिश की, पर असफल रहा।

(ग) मैंने बहुत कोशिश की,किन्तु असफल रहा। (घ) सभी त्रुटिपूर्ण हैं।

(3) निम्नलिखित वाक्यों में से सरल वाक्य छाँटकर लिखिए–

(क) भीड़ भाड़ के कारण मैं नहीं आया। (ख) उसने कहा कि चुप हो जाओ।

(ग) मै घर आया और सो गया। (घ) मेहमान आ गए तब केक काटा गया।

(4) तनावहीन रहो और रोगों से मुक्त रहो। (मिश्रित वाक्य में बदलिए)

(क) तनावहीन रहोगे, रोगों से मुक्त रहोगे। (ख) यदि तनावहीन रहोगे तो रोगों से मुक्त रहोगे।

(ग) तनावहीनता रोगों से मुक्ति है। (घ) सभी त्रुटिपूर्ण हैं।

(5) अश्मित पुस्तकें लेने बाजार गई। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

(क) अश्मित बाजार गई और उसने पुस्तकें खरीदी। (ख) अश्मित ने बाजार से पुस्तकें ली।

(ग) बाजार जाकर अश्मित ने पुस्तकें ली। (घ) अश्मित ने पुस्तकें ली बाजार जाकर।

5. निम्नलिखित छः भागों में से किन्हीं चार प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनिए–

(1) 'इन्द्रियों को जीतने वाला' समस्तपद बताइए।

(क) जितेन्द्रिय। (ख) प्रत्युत्तर।

(ग) ज्ञानेन्द्रिय। (घ) जैनेन्द्रिय।

(2) 'यावज्जजीवन' में कौन–सा समास है?

(क) तत्पुरुष समास। (ख) बहुव्रीहि समास।

(ग) कर्मधारय समास। (घ) अव्ययीभाव समास।

(3) वाक्पटु का विग्रह है–

(क) बात की पटु। (ख) वाक् में पटु।

(ग) बातूनी। (घ) बकबकी।

(4) उसे मृत्यु का दंड मिला। (रेखांकित पदों का समस्तपद बताकर समास का नाम बताइए)

(क) मृत्युदंड /तत्पुरुष। (ख) मृत्युदंड /द्विगु समास।

(ग) मृत्युदंड /कर्मधारय। (घ) मृत्युदंड /अव्ययीभाव।

(5) आकंठ का विग्रह बताइए–

(क) अकंठ। (ख) कंठ में।

(ग) कंठ तक। (घ) कोई भी नहीं।

(6) निम्न में कौन–सा कर्मधारय समास है?

(क) चक्रपाणी। (ख) चतुर्युगम।

(ग) श्वेतांबर। (घ) माता–पिता।

6. निम्नलिखित पाँच भागों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार दीजिए तथा सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए–

(1) बहुत दिनों से इस काम में लगे हो अब इसकी----------कर ही दो। (रिक्त स्थान की पूर्ति उचित मुहावरे द्वारा करें।)

(क) इति श्री करना। (ख) आकाश पाताल एक करना।

(ग) अवसर ताकना। (घ) ईद का चाँद।

(2) 'शेर के दाँत गिनना' मुहावरे का अर्थ बताइए।

(क) कल्पना लोक। (ख) कुछ न सूझना।

(ग) सिद्धि प्राप्त व्यक्ति। (घ) दुस्साहस करना।

(3) 'हिरन हो जाना' मुहावरे का अर्थ है–

(क) बढ़ा चढ़ाकर बात करना। (ख) खत्म करना।

(ग) गायब होना। (घ) मना करना।

(4) मुहल्ले में हुई लड़ाई को----------बनाया गया।(रिक्त स्थान की पूर्ति उचित मुहावरे द्वारा करें।)

(क) घुटने टेकने। (ख) सिक्का जमाना।

(ग) राई का पहाड़। (घ) हथियार डालने।

(5) रामू की शराब की आदत ने उसके परिवार की----------है। (रिक्त स्थान की पूर्ति उचित मुहावरे द्वारा करे।)

(क) बाजी लगा देना। (ख) बेइज्जत करना।

(ग) इज्ज़त मिट्टी में मिलाना। (घ) शर्मसार करना।

खण्ड – (ग)

(पाठ्यपुस्तक)

7. निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर उचित विकल्प छाँटकर दीजिए–

ऐसी बाँणी बोलिए, मन का आपा खोइ।
अपना तन सीतल करै, औरन कौं सुख होइ।।
कस्तूरी कुंडलि बसै, मृग ढूँढै बन माँहि।
ऐसैं घटि घटि राम है, दुनियाँ देखै नाँहिं।

(1) हमें कैसी वाणी बोलनी चाहिए?

(क) कर्कश। (ख) कठोर।

(ग) मधुर। (घ) कड़वी।

(2) मीठी वाणी से क्या होता है?

(क) शांति मिलती है। (ख) अहंकार समाप्त हो जाता है।

(ग) संबंध सुदृढ़ होते हैं। (घ) उक्त सभी।

(3) कस्तूरी कहाँ मिलती है?

(क) मृग के कान में। (ख) मृग के पेट में।

(ग) मृग की नाभि में। (घ) मृग के सिर पर।

(4) राम कहाँ कहाँ मिलते हैं?

(क) मंदिर। (ख) चर्च।

(ग) गुरुद्वारा। (घ) कण कण में।

8. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर उचित विकल्प छाँटकर दीजिए–

कह दिया–'समय की पाबंदी' पर एक निबंध लिखो, जो चार पन्नों से कम न हो। अब आप कॉपी सामने खोले, कलम हाथ में लिए उसके नाम को रोइए। कौन नहीं जानता कि समय की पाबंदी बहुत अच्छी बात है। इससे आदमी के जीवन में संयम आ जाता है, दूसरों का उस पर स्नेह होने लगता है और उसके कारोबार में उन्नति होती है, लेकिन इस जरा–सी बात पर चार पन्ने कैसे लिखें? जो बात एक वाक्य में कही जा सके, उसे चार पन्नों में लिखने की जरूरत? मैं तो इसे हिमाकत कहता हूँ। यह तो समय की किफायत नहीं, बल्कि उसका दुरुपयोग है कि व्यर्थ में किसी बात को ठूँस दिया जाए। हम चाहते हैं, आदमी को जो कुछ कहना हो, चटपट कह दे और अपनी राह ले। मगर नहीं, आपको चार पन्ने रँगने पड़ेंगे, चाहे जैसे लिखिए और पन्ने भी पूरे फुलस्केप आकार के। यह छात्रों पर अत्याचार नहीं, तो और क्या है?

(1) 'समय की पाबंदी' पर क्या लिखने को दिया गया?

(क) अनुच्छेद। (ख) निबंध।

(ग) नाटक। (घ) कहानी।

(2) 'समय की पाबंदी' से जीवन में क्या आता है?

(क) अहंकार। (ख) क्रोध।

(ग) संयम। (घ) आलस।

(3) भाई साहब के अनुसार समय का दुरुपयोग है–

(क) निबंध लिखना। (ख) एक बात को बढ़ा–चढ़ाकर चार पन्नों में लिखना।

(ग) चार पन्नों में लिखना। (घ) कलम से लिखना।

(4) 'समय की पाबंदी' से क्या होता है?

(क) कारोबार में उन्नति। (ख) जीवन में संयम आता है।

(ग) एक अच्छा गुण है। (घ) उक्त सभी।

(5) निबंध लिखने से भाई साहब का क्या अभिप्राय है?

(क) इससे समय की बर्बादी होती है। (ख) छात्रों पर उपकार है।

(ग) समाज का उद्धार है। (घ) अच्छा गुण है।

9. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर उचित विकल्प छाँटकर दीजिए–

मेरी माँ कहती थी, सूरज ढले आँगन के पेड़ों से पत्ते मत तोड़ो, पेड़ रोएँगे। दीया–बत्ती के वक्त फूलों को मत तोड़ो, फूल बद्दुआ देते हैं। दरिया पर जाओ तो उसे सलाम किया करो, वह खुश होता है। कबूतरों को मत सताया करो, वे हज़रत मुहम्मद को अजीज हैं। उन्होंने उन्हें अपनी मज़ार के नीले गुंबद पर घोंसले बनाने की इज़ाजत दे रखी है। मुर्गे को परेशान नहीं किया करो।

(1) इस गद्यांश के लेखक का नाम लिखिए–

(क) सीताराम सेकसरिया। (ख) प्रेमचंद।

(ग) हबीव तनवीर। (घ) निदा फाजली।

(2) लेखक की माँ लेखक को किसके प्रति उपदेश देती थी?

(क) नदी के प्रति। (ख) जल के प्रति।

(ग) प्रकृति के प्रति। (घ) इनमें से कोई नहीं।

(3) माँ खुदा का नाम क्यों लेती थी?

(क) उसका बेटा उसकी बात माने। (ख) उसको प्रेम करे।

(ग) उसका सम्मान करे। (घ) इनमें से कोई नहीं।

(4) लेखक किसके प्रति सम्मान का भाव रखता है?

(क) अपने प्रति। (ख) पक्षियों के प्रति

(ग) हज़रत मुहम्मद के प्रति। (घ) दयालुओं के प्रति।

(5) मुर्गा सुबह उठकर क्या करता है?

(क) चिल्लाता है। (ख) बाँग देता है।

(ग) घूमता है। (घ) इनमें से कोई नहीं।

❑❑

Answers

Sample Paper

खण्ड – (क)

(अपठित गद्यांश)

1. (1) (ग) दर्पण।
(2) (घ) उक्त सभी।
(3) (घ) केवल साहित्य पढ़ना होगा।
(4) (ग) सबका हित।
(5) (क) साहित्य और समाज।

vFkok

(1) (घ) अनादि काल।
(2) (घ) उक्त सभी।
(3) (क) पेड़ों की अंधाधुन कटाई।
(4) (ग) पेड़, बादल, नदी, पहाड़।
(5) (घ) वरदायिनी प्रकृति।

2. (1) (घ) मुरझाया हुआ।
(2) (घ) अनासक्त।
(3) (घ) उक्त सभी।
(4) (ख) अवसाद।
(5) (ख) जीवन के उतार–चढ़ाव।

vFkok

(1) (ख) असमानता।
(2) (घ) उक्त सभी।
(3) (ख) लड़कियों के प्रति अपनी सोच बदलनी चाहिए।
(4) (क) महिलाओं और पुरुषों की समान भागीदारी से।
(5) (घ) लैगिंक असमानता।

खण्ड – (ख)

(व्यावहारिक व्याकरण)

3. (1) (ग) संज्ञा पदबंध।
(2) (घ) पानी में डूबते हुए बच्चे को उसने।
(3) (ग) क्रिया पदबंध।
(4) (ग) क्रिया–विशेषण पदबंध।
(5) (ii) विशेषण पदबंध।

4. (1) (क) अध्यापक ने प्रश्न पूछा कि तुम कहाँ रहते हो?।
(2) (ग) मैंने बहुत कोशिश की, किन्तु असफल रहा।
(3) (क) भीड़–भाड़ के कारण मैं नहीं आया।
(4) (ख) यदि तनावहीन रहोगे तो रोगों से मुक्त रहोगे।
(5) (क) अश्मित बाजार गई और उसने पुस्तकें खरीदी।

5. (1) (क) जितेन्द्रिय।
(2) (घ) अव्ययीभाव समास।
(3) (ख) वाक् में पटु।
(4) (क) मृत्युदंड/तत्पुरुष।
(5) (ग) कंठ तक।
(6) (ग) श्वेतांबर।

6. (1) (क) इतिश्री करना।
(2) (घ) दुस्साहस करना।
(3) (ग) गायब होना।
(4) (ग) राई का पहाड़।
(5) (ग) इज्ज़त मिट्टी में मिलाना।

खण्ड – (ग)

(पाठ्यपुस्तक)

7. (1) (ग) मधुर।
(2) (घ) उक्त सभी।
(3) (ग) मृग की नाभि में।
(4) (घ) कण–कण में।

8. (1) (ख) निबंध।
(2) (ग) संयम।
(3) (ख) एक बात को बढ़ा–चढ़ाकर चार पन्नों में लिखना।
(4) (घ) उक्त सभी।
(5) (क) इससे समय की बर्बादी होती है।

9. (1) (घ) निदा फाजली।
(2) (ग) प्रकृति के प्रति।
(3) (क) उसका बेटा उसकी बात माने।
(4) (ग) हज़रत मुहम्मद के प्रति।
(5) (ख) बाँग देता है।